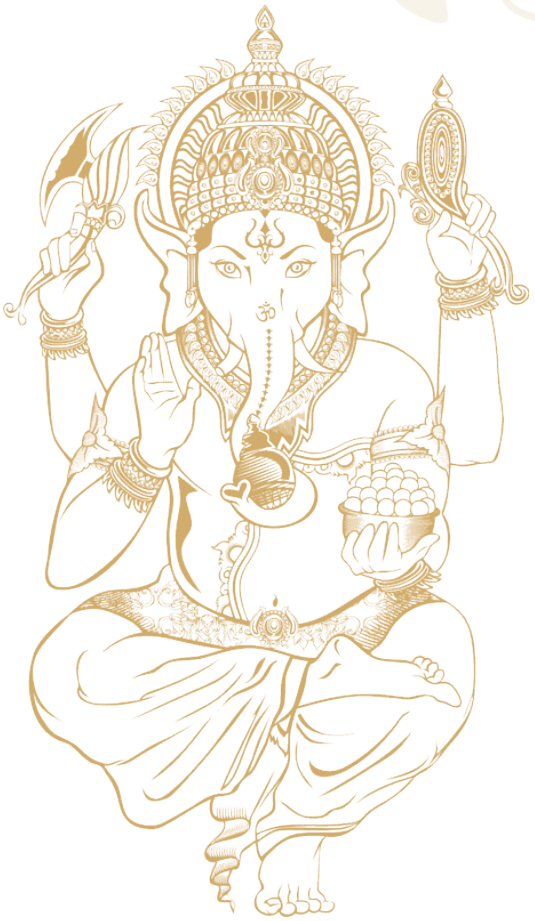

22 Jan 2026

10:30 AM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121101002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	08:17:03 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:11:16 घंटे
वेलान्तर	-00:11:31 घंटे
साम्पातिक काल	18:17:31 घंटे
सूर्योदय	07:11:10 घंटे
सूर्यास्त	17:49:44 घंटे
दिनमान	10:38:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:57:04 मकर
लग्न के अंश	12:01:06 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सुगन्धा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:01:06	512:43:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मक	07:57:04	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	17:50:08	13:08:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	मक	04:51:33	00:46:44	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	08:18:59	01:41:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:18:54	00:07:40	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	11:39:30	01:15:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
शनि			मीन	03:30:17	00:05:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:07:21	00:00:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:07:21	00:00:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:18:33	00:00:40	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:40:00	00:01:24	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:09:39	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	09:47:59	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

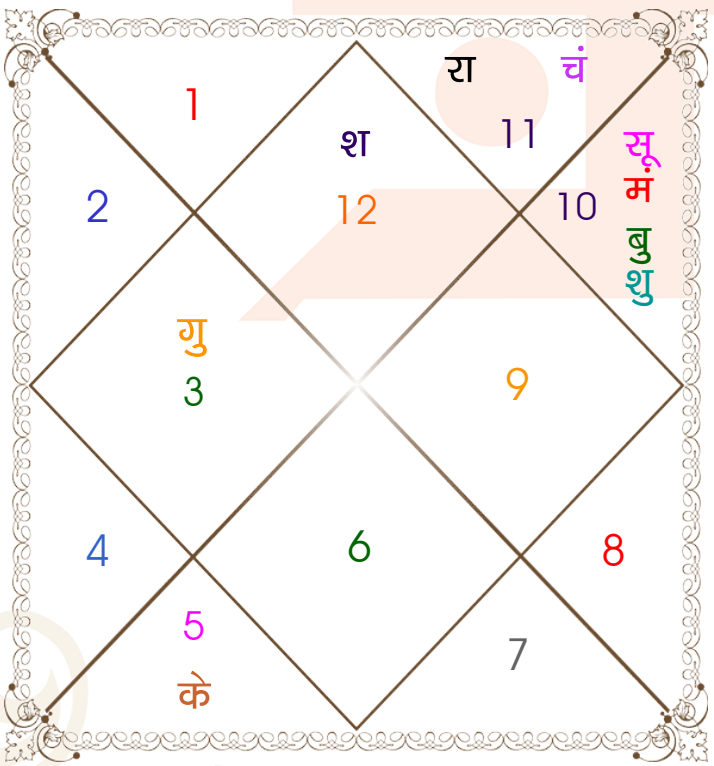

चन्द्र कुंडली

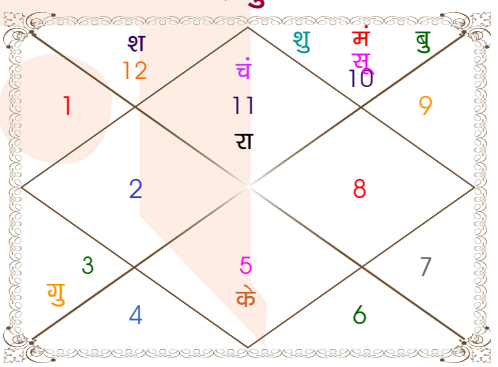

नवमांश कुंडली

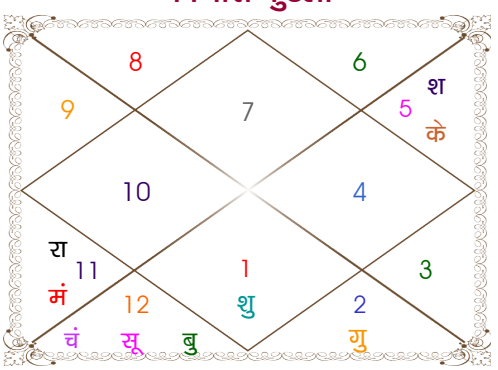

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 11 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/01/2026		24/12/2028		24/12/2044		25/12/2063		24/12/2080	
24/12/2028		24/12/2044		25/12/2063		24/12/2080		25/12/2087	
	00/00/0000	गुरु	11/02/2031	शनि	28/12/2047	बुध	23/05/2066	केतु	22/05/2081
	00/00/0000	शनि	25/08/2033	बुध	06/09/2050	केतु	20/05/2067	शुक्र	22/07/2082
	00/00/0000	बुध	01/12/2035	केतु	16/10/2051	शुक्र	20/03/2070	सूर्य	27/11/2082
	00/00/0000	केतु	05/11/2036	शुक्र	16/12/2054	सूर्य	24/01/2071	चंद्र	28/06/2083
	00/00/0000	शुक्र	07/07/2039	सूर्य	28/11/2055	चंद्र	25/06/2072	मंगल	24/11/2083
	22/01/2026	सूर्य	25/04/2040	चंद्र	28/06/2057	मंगल	22/06/2073	राहु	12/12/2084
सूर्य	07/06/2026	चंद्र	25/08/2041	मंगल	07/08/2058	राहु	09/01/2076	गुरु	18/11/2085
चंद्र	07/12/2027	मंगल	01/08/2042	राहु	13/06/2061	गुरु	16/04/2078	शनि	28/12/2086
मंगल	24/12/2028	राहु	24/12/2044	गुरु	25/12/2063	शनि	24/12/2080	बुध	25/12/2087

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/12/2087		26/12/2107		25/12/2113		26/12/2123		26/12/2130	
26/12/2107		25/12/2113		26/12/2123		26/12/2130		00/00/0000	
शुक्र	25/04/2091	सूर्य	14/04/2108	चंद्र	26/10/2114	मंगल	23/05/2124	राहु	07/09/2133
सूर्य	25/04/2092	चंद्र	13/10/2108	मंगल	27/05/2115	राहु	11/06/2125	गुरु	31/01/2136
चंद्र	24/12/2093	मंगल	18/02/2109	राहु	25/11/2116	गुरु	17/05/2126	शनि	07/12/2138
मंगल	24/02/2095	राहु	13/01/2110	गुरु	27/03/2118	शनि	26/06/2127	बुध	26/06/2141
राहु	23/02/2098	गुरु	01/11/2110	शनि	26/10/2119	बुध	23/06/2128	केतु	14/07/2142
गुरु	25/10/2100	शनि	14/10/2111	बुध	26/03/2121	केतु	19/11/2128	शुक्र	14/07/2145
शनि	26/12/2103	बुध	19/08/2112	केतु	26/10/2121	शुक्र	19/01/2130	सूर्य	23/01/2146
बुध	26/10/2106	केतु	25/12/2112	शुक्र	26/06/2123	सूर्य	27/05/2130		00/00/0000
केतु	26/12/2107	शुक्र	25/12/2113	सूर्य	26/12/2123	चंद्र	26/12/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 10 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।